

बागली। समीपस्थ वैम्यन्त्र शाला शासकीय मावि छत्रपुरा में वर्ष 1998 में परस्य होकर 2026 तक एक ही शाला में सेवा देने वाले उत्कृष्ट शिक्षक सत्यनारायण भाटी सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति पर ग्राम के वरिष्ठजनों, ग्राम पंचायत तथा रामायण मंडल और माध्यमिक विद्यालय परिवार द्वारा विविध समारोह आयोजित कर अभिनंदन किया गया। मरीच कार्यक्रम सपरंच निर्मला जवाहर पाटीदार की अध्यक्षता तथा जनपद सदस्य पाटीदार, परिवार, गुरुकुल, समाजसेवी मोतीलाल पटेल, पूर्व सरपंच मांगीलाल आशीष, गोवंद नरेश, रामेश्वर भगत, धीसालाल पटेल, बद्रीलाल पाटीदार, अभिभाषक महेंद्रचरण पाटीदार, पंचायतदेव जोशी, कमल भाटी आदि के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्राम पंचायत व माध्यमिक विद्यालय परिवार ने अभिनंदन प्रक के साथ उपहार भेंट कर सम्मानित किया। स्वागत ग्राम प्रत्याध्यापक सुनील पाटीदार ने दिया। समारोह उपरंत जुलूस विद्यालय से ग्राम की गलियों में निकला, जहां हर घर पर भाटी की आरती उतारकर महिलाओं और बच्चों ने स्वागत किया। जुलूस का समापन भाटी के निवास झमली चौराहे पर हुआ। नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि कमल यादव, समाजसेवी नारायण भाटी, शंकरलाल भाटी, जलू भाटी, शिक्षक नमोचंद्र तंवर आदि उपस्थित रहे। पंचायत समिटी संकुल सह समन्वयक वारिस अली ने किया। आभार जवाहर पाटीदार तथा राजा भाटी ने माना।



शाजापुर । अतिथि शिक्षकों ने अपने लिए स्थायी नीति बनाने व समस्याओं के निवारण के लिए सरकार से मांग की। इसके लिए अतिथि शिक्षकों ने अपनी ही ध्वनि बमार्द और डेढ़वाजों के साथ उत्पी अर्थों को लेकर निवेदन। जिससे सभी का ध्यान उनकी ओर आकर्षित हो गया। दरअसल, अतिथि शिक्षक सघ द्वारा अपनी लबित मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था। शिक्षकों ने अलीगढ़ प्रतीनलक अर्थी दोनकर शहर में यात्रा निष्ठा और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। यह यात्रा बमार्द करीब 12 बजे बेरख स्थिति पृथिवी उजम मंरी से शुरू हुई जो महसुर, किनारोड, छोट्टा चौक, आजाद चौक, नई सड़क और बस स्टैंड होते हुए यह जिला शिक्षा अधिशासी कार्यालय पहुँची। यहाँ अतिथि शिक्षकों ने प्रतीनलक रूप से अर्थी का अदन कर अपना विरोध दर्ज करवाया। अतिथि शिक्षक संघ ने शासन से अतिथि शिक्षकों के लिए शीघ्र स्थायी नीति बनाने और उनकी लबित समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। संघ का कहना है कि प्रदेश के अर्थी शिक्षक पिछले 18 वर्षों से अल्प मानदंड पर सेवाएं दे रहे हैं। संघ के अनुसार वर्षों की सेवा के बावजूद उन्हें सौधी भती, प्रमोशन, ट्रांसफर और शासन की विभिन्न नीतियों के कारण अल्प बेरोजगारी का सामना करना पड़ता है। संघ के जिला अध्यक्ष आशीष शर्मा ने बताया कि अतिथि शिक्षक शिक्षण व्यवस्था की रीढ़ हैं। कई शिक्षक 70 से 80 किलोमीटर दूर जाकर भी नियमित रूप से अध्यापन कार्य कर रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें सामान कार्य के लिए सामान वेतन सहित अन्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। साथ ही कई बार मानदंड का भूभातन भी समय पर नहीं होता। संघ ने मांग की है कि अतिथि शिक्षकों के पद स्थायी किया जाए, उनका सेवाकाल 12 माह का किया जाए और सामान कार्य के लिए सामान वेतन लाया किया जाए। जिलाध्यक्ष आशीष शर्मा ने नेताजी देह हुए बताया कि यथे 5 सितंबर शिक्षक दिवस से पहले उनकी मांगों पर निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशभर के अतिथि शिक्षक भीरोपा में आंदोलन करेंगे। उन्होंने रोजगारपुरा चोरोह से मुख्यमंत्री नवित तब तक तिरंगा यात्रा निालकर सीएम हाउस के बाहर धरना प्रदर्शन और आमरण अनशन करने की बात कही।

आबू से लोहं हुई परमात्मा स्मृति की राखें पहराईं। श्रीजीफाल कायकॉत अतिरिक्त राठौर नें साफ़ल, केन वितरति किए, पंकज जैन मकडोड नें सभी कैदी भाइयों को प्रसादी वितरति किए, अंत में सभी नें 2 मिनिट ध्यान मेडिटेशन के माध्यम से अपने जीवन को सुंदर शराफ बनाने का संकल्प लिया. इस अवसर पर पैपस प्रांत अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा, शैतल भट्ट, संजयाम सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष परशुराम शर्मा, जिलाध्यक्ष परशुराम सेना श्याम प्रकाश व्यास, सामाजिक कार्यकर्ता धर्मेन्द्र गहलोत, कैलाश हहलोत, राहुल नवगोत्री, अमृत शर्मा उपस्थित रहलें.